

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नीलवर्णचतुर्वक्त्रं प्रणिमूर्खविनय  
कमूर्ध्वचंद्रकण्ठमकुटधना हाशर नक्षत्राणि नाभा ॥ कज्ज  
८ गजचर्म उममूर्खवर्णांगविनयमानदमूर्त्तिधना शंकरवटिकपालपनस  
पाठयिस्सुवा वक्त्रसिन्धुना व्याघ्रचर्मकर्णव्यस्ति नाभा ॥ दिगोविदि  
गंकाकास्यादिजमजकिनीदेवी सहजानन्दमूर्त्तिधना शंकरनमामि नमा  
मिधौचक्रसंभवा सनगुर्वचनसंभवाधिना ॥ ॥ ॐ ॥ नागादि  
नवी नाना ॥ यका ॥ नित्यानादिचतुष्टयसिद्धलसंवातुह मरुधगनकादिवृत्त  
नादवृषी शंखमीनप्रविण ललिताईगमिनी नमनिनसंगा पप्रहववृषी

ASHA ARCHIVES

2881



॥ कृ ॥ उ नमामि देवी श्री वरु विनासिनी शिखर वरु य ह न ह ख स म हान  
 देवी शं उदियान प्रहृ गि वि काम नृ प श्री ह न भु वि भु द्म म धु ल नृ ख यं कि ॥  
 ॥ व स द ल स नो नृ ह व न ध म च क र्वा द ण द ल स म्हा ग च क र्वा शं वि  
 ण ग द ल क म ल म हा स ख च क र्वा कान नृ प श्री ह नृ क ना थ ॥ ॥ द ह यी  
 जि न वि धा दि नि ग या न रु दि नी आ व यि मृ ग धा न या ना द नृ पि शं पि भ दि द  
 भ र्मी सृ ग न पू ज नि जि न हान दाय नी वि न ध्व नी ॥ ॥ द र्प ण प्र नि  
 वि म्ब ज ल क च ड्या य म् अ हि नी सि णु म न क व ज दे वी शं उ न्म ज न्म मा नृ कु र्वा  
 पा य स न द ॥ इ र्गा नि ना भ न मा कृ प्र दा न ॥ ॥ ॐ ॥ ना ग ॥ क ल

जिनाल ॥ मया ॥ घटयागिनी देवी शिखर ॥ शं विघ्नमाल इष्ट दय वि  
 नाशिनी ॥ कृ ॥ नमामि शं श्री वरु वा ना ह शं अ हि सि दि दाय नी उ ग न  
 जननी ॥ ॥ पूर्व द ल ग न व क व धू गी शं ॐ ॥ न या मि नी दे वी नी न व  
 दनी ॥ ॥ वा य व्य मा हि ना दे वी ॥ व न व धू ला शं यं शि म र्च वा नि धी द  
 वी ॥ न व व र्ध द हा ॥ ॥ न र्मा ख स र्ग सि नि दे वी ह नि ग व धू ला शं दं कि  
 न व धि का दे वी धु म व धू गी ॥ ॥ च नु र्गु ज न कान ना र्प च म द्रा ख  
 ना शं स्व स्व वी क र्वा न व न सी दि ग म्ब वा ॥ ॥ ॐ ॥ ना ग ॥  
 ह व वी ॥ ना ल म या ॥ ॐ आः हं रु द्ज न न स्वा हा म कु उ च्चा न ध न शं पू ज

रव्यागिनी ॥ ८

उं आ हं ॥ ८



पूजक पूजक राव नत्व स्व नृप बलिगव ॥ ॐ ॥ खख खख हि २ वलि पून न घघ  
 घाटय २ विघ्न हव २ पंचामिया न स पंच भालि न पंच हान सर्व निना ॥ ॥  
 सर्व ऊऊ नाक स रूत प्रत पीसा वात्मान पस्मान २ गक गकिनी इयी जूहू ॥  
 ॥ ॐ ॥ दवलिग द्रुत न ॥ ॥ दानय न सर्व कार्य नत्वया सर्व सस्य संपि  
 लिभ क न २ ज रथे व न रथे व रुज रथ पिव रथ जिघ्र रथ माह काम रथ न ॥ ॥  
 समयान रुतु दान पति न सर्व सिद्धि संपद भक्ति न २ आसी सा न तथा गत  
 वचन सर्व सिद्धि संपद वृद्धि न ॥ ॥ ॐ ॥ नागा ललिता गाल मय  
 ॥ अनुरुन तथा ता वकान स रुव नल न विचि न कल र्ण २ उं आरु

काव वडा मृत मृदक सफ सीरु अधि न ह ॥ ॐ ॥ चन्द्रा मृत न  
 सवाधिरुल दायक सर्व किन व्यापि न सह ऊऊ कल र्ण २ ऊ गग न न र अध क  
 शुभ नाक न रूत राव सीसा न नाशन विव रु न र्ण ॥ ॥ वज्र पन मान  
 मय र्ग धा व सी यु के सीध सीरु अधि न पंच पियूष २ रुं का न मं रु पृष्य सी व ह  
 वज्र सीरु पि न विपा न कल र्ण ॥ ॥ घट म र्ध न न रु प न राव आ  
 रुष्य मं रु किनी ऊल ऊ न र्ण २ मं गि नि सा धन द व ना च रु ह्या स त्व मा ति  
 य ह्नी ऊ कल र्ण ॥ ॥ पाद्या दि आ न मन दान पूत्य स न व सी समय स  
 त्व प्रव णि न विमल कल र्ण २ महाना ग द वी रुय वाधि चि रु न र्ण समय स



त्वहासत्त्वप्रकिलगी ॥ ॥ ॐ ॥ नागागन्धर्वनवीनालमपः ॥  
 त्रिनिवायनचउवृक्षविहारां कनकप्रतिष्ठा मधुलहाम ॥ ॐ ॥  
 हामहामकनयियाहूहूतहिचउमालाशं नागद्वयमाहवन्धिनकूदि ॥  
 ॐ ॥ प्रहाघट्टयायनेवज्राशं नविशभिचापयि आचार्यवहिरथ ॥ ॐ  
 ॥ वामदहितकनकश्रवानपाशुशं कलयिवज्रानन आरुनिदिता ॥ ॐ ॥  
 कर्तुवानकनकश्रुत्यनहामशं वज्रयवनघनचीयसंवाध ॥ ० ॥  
 ॥ नागागन्धर्वनवीनालमपः ॥ कलिनवज्रानन नविशभिर्कूचिन  
 डावयि उकावधदन्पी शं कूचनूजाल गिरुवनवीना पयिसयिजिन

असीविन्दुर्य ॥ ॐ ॥ यनमानदमनूतिनूपधनी काधधियश्रीमकु  
 वजाशं अशहू ३ काधधियश्रीमकुवजा ॥ ॥ कलिनकमलसंज  
 लासहजापवनतवीगसूनीनगति शं वियमखवदरूज नलमकूटधा  
 नी कूचणीगाननदहितवाम ॥ ॥ ॐ ॥ मधुलापवि वज्रययकार  
 समकूचमनूतननू प्रकलित शं वज्रययसनदहितकनधनी वामघर  
 त्यनचापयिधनी ॥ ॥ विविधनल आरुवधरुधिनसूचयि अ  
 नगमनूतिनूप शं वज्रययचनध कमलप्रभादा नमामिपनमामिनीला  
 पदी ॥ ॥ ॐ ॥ नागागन्धर्वनवीनालमाथा कालायिलथीयावाला



सुमनिलकनकाला रंघनकपिथिहायि वज्रयि कनू (६) क्रियायिन लाला ॥  
 ध्र ॥ मलयजं कुन्दन वज्रयि तिलिमाता नहि वज्रयि ॥ ॥ गहिरुखा  
 जनगा (ध) मयनापि वयिनं यायि रंहालकालिं जनयनयायि इक्षु वज्र  
 नयायि ॥ ॥ चउसमकमुनीसिद्धा कर्पूनलावनयायि रंमेलय  
 जयिंधनसालिजल सुहिरुखाजनयायि ॥ ॥ प्रधूनकनकन  
 शुद्धा शुद्धनमूनयि रंनिनीसूरुजंगचन्द्रावयिमा गहिरुखासनायानयायि  
 ॥ ॥ ० ॥ नागा ॥ शबलि ॥ गाल माथा ॥ सर्ववृद्धविवृद्धमधुना वी  
 षमानकन्दनि रं वज्रजगिनी वज्रमधुना कालधना तिलाचनी ॥ ध्र ॥

नमामिवाकलि सिद्धियागिनी गनमधुना रं अष्टादि सर्वसिद्धि यागिनी  
 गलमंजिना ॥ ॥ अदित्यमधुलनजसन् दीपमाला शुर्विवना रं च  
 कीकुलकलि लाचकमखलाविरुषिना ॥ ॥ कनटिषत्पन मा  
 लकन्दनी मुकुटकं अदिगम्बना रं मधुमाल खड्गीगमधुना लक्ष्मि  
 लयकना ॥ ॥ रुद्रदवी उरुअनेका समयनवियापिता रं रुद्रचन  
 (६) निनीधनिया अडाधूडा कर्पूपागावयिया ॥ ॥ ० ॥ नागा  
 अह्नि ॥ गाल माथा ॥ हाजोरुवक्ष क्रियायिलसम्बना धनयिकवाकलि  
 नवना रं रुद्रवानकन मधुयाम्भान मुकुटकं अदिगम्बना ॥ ध्र ॥



जहंगा १२

यवमानुसम्बननाया समनसद्वीमानुकाला शंभुविवाहिनी वज्रवा  
नाहि रुदमहियामानुशाला ॥ ॥ अलिंशायल वनसह मयन क  
प्रमरुवमितीवाला शंगगलनिलवर्ष वधुनेकता मनुमधुलरुवनी ॥  
॥ ॥ श्रियं धउखटहं क्वादिगन समनपयिसयिषु न्यरु दाना शंभुम  
वीवाहिनी वज्रवानाहि रुक्म विनूदय मिअन्धाना ॥ ॥ गाडी किली  
नावज कलियाउव सनगुनुचनक्षाना ॥ ॥ शंभुसमयानदरुलिंगन  
मधुल सम्बन वज्रवानाही ॥ ॥ ३३ ॥ नागा कनधु ॥ गाल मप ॥ श्रि  
हं धुवापयिअगिनी दहकवाडि शंभुमलकलि ॥ घक्षकनहं नवियान

निजुजु १११

॥ ३४ ॥ आगिनी रुक्म विनूदयनहं नजि वयि शंभुनामूहचं वियाल कम  
लसीधिवयि ॥ ॥ रूपहं आगिनी लपनजायि शंभुलिकुलवहियाल  
उदियान समान ॥ ॥ ॥ अरुवह घनधान कंचियान शंभुसूर्य इ  
यिपऊनरुवांठा ॥ ॥ रुनयिगं जानिहमं रुद्रुवोना शंभुनयनानि  
मास्य उरुयन उवीना ॥ ॥ ३५ ॥ नागा मालवा ॥ गाल माथा ॥ निजु  
उ ॥ अउधु ॥ हनुवलाया शंभुहगम ॥ आगिनी पयिस ॥ ३६ ॥ आ  
नदादि दवाकलि आनददादि दवा शंभुनिनाचकि हनुअ मनसासीपुन  
॥ ॥ ॥ रुक्मसिनीहं रुनु निजु कल हनुव शंभुसर्वयि अतहा पिवयिस



उदिगा ॥१८

नाक ॥ ॥ श्रीशदियान् ऊलयिचधुनिशंगीतजनहा किनवयिबाऊ  
कि ॥ ॥ अलिकालिइयि पादधनकं शं चउआगिनी मजिलगीगं  
॥ ॥ पयिसयिदाम्बिनि अहयसंआगशं कीउकी कमलकुलिसवऊ  
रिवा ॥ ॥ यस्मलिधानि चोनिवगाविश्लपनचउसमहं नूआवाला  
॥ ॥ ३३ ॥ नागा ॥ विरासा ॥ गाल माथ ॥ उदिगा नयिया येवनधूता  
॥ ॥ अर्नसहदानककासलरुगा ॥ ॥ धानइष्टानरुवद्विनिसंगल  
लिगा ॥ अखयनिनजनभाऊरुगा ॥ ॥ दिनकलमधुल मध्यगगा  
॥ ॥ कवनामगनससवसरुगा ॥ ॥ दग्धश्रुतिशयप्रतिनिहंगा

अवनिनिहिगजानो ॥१९  
वामजानो ॥२०

॥ ॥ देवासवननमिलनमिगा ॥ ॥ गावकिपवनप्रतिगुनरुगगा ॥  
बऊवानाहिदुंरुभिवनमिगा ॥ ॥ ३३ ॥ नागा ॥ कामाउ ॥ गाल खरु  
गाना ॥ अवनिनिहिगजानू नीलसमदहा ॥ कंकवगिषयनरीखमवदना  
॥ ॥ ॥ गनाहं हं ॥ गनाहं हं ॥ ॥ हं हं ॥ गान अचलकाधनाया ॥  
निविदिगघनइकि साहिरमंग ॥ पाठखरुधविगिगुवननाथ ॥  
हनिहनवुक्ता ॥ ॥ चउमाना ॥ मालविघुइनिभरुयहनर्ष ॥  
विविधिरनलमोलिलकनदहा ॥ अगगवाकिगवलरुलदायकी ॥  
॥ ३३ ॥ नागा ॥ कामाउ ॥ गाल खरुगाल ॥ अवनिनिहिगवामजानू ख



भक्तिनलमात्रसंज्ञासार्थं नागद्वयमाह वधिनयाभा गिरुवनलायाञ्च  
 लविना॥ ॐ ॥ नमामि श्रीचन्द्रमहाबायना जगत्सर्व रुयक्रुदिता २ वि  
 धनाथविष्णुव्यापिक विनीविक्रम महाकाधनाया॥ ॥ अतिरिख  
 नागा उर्ध्वचंक्षुः दुर्धराया विद्युत्किं न तारं पीडित जघना कंकननय  
 ना वनेसंज्ञासा नाखरुं सनना॥ ॥ माधवमाया पूनन्दवम् नोदयि  
 माचायादशरुनक्ष २ समनसमाया नागविमाहा हाननाया सभाहि न  
 दहा॥ ॥ नलारुनक्ष प्रकलितमालि कयूनोदव नू मूर्तका ना  
 रं सननननागा वंदितचनक्ष नायसूचनञ्चलवीना॥ ॥ ॐ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २२

नागा वामकनिनालमाथ ॥ हूं हूं हूं दहधनु सीसानकन रं ददाशालिग क्षया  
 गधना॥ ॐ ॥ हवजगुम्भकना हूं हूं कना हूं हूं २ कना कन हूं हूं ॥ ॥  
 सननन वंदितचनक्षधनु २ कसमविलयन दहधनु॥ ॥ लवविम  
 क्रुदविराग गुण कुरायि २ नमः हूं नमः हूं श्रीहवजगुम्भगुलधुषयि॥ ॥  
 ॥ ॐ ॥ नागा गवउगो नालमाथ ॥ वामखत्यनधनदहितकलि २ घा  
 यननोपूनमधुननसिन्माला॥ ॐ ॥ देवीनाचयिनेकजटिवजजोगि  
 नी २ शिनिननुदवी गिरुवनपयिस॥ ॐ ॥ कालमृत्पद्वियिपा लानुव  
 धिन २ नागद्वयमाह कलिनकुन्द॥ ॐ ॥ थूनसूक्ष्मदेवी गिरुवनदेवी



श्रीद्वयगोप्ता ॥२३ कऊअगिनी ॥२४

[illegible]

॥ स्वर्गद्वीपलीया जन्तुनृपहान ॥ ॥ उर्ध्वनामिदिदु  
 ॥ गश्दहिविगाथयीपवनधरिदयी ॥ ॥ उर्ध्वयि  
 ॥ कनीयाश्च सिलसवीगवाजवानुक्षी ॥ ॥ स  
 ॥ चतुर्थलिखकश्च प्रारक्षस्वनीसंसावसमडा ॥  
 ॥ कवसकामधूनिपूषिपूनाइयतिष्ठतालाश्चक  
 ॥ पाद ॥ ॥ ॥ मेरी आदिवृद्धी मेरी ॥ ॥ जो शर्व  
 ॥ धना ॥ ॥ ॥ क्रमवृत्तिनाखवचिनाविषनाश्च  
 ॥ हना ॥ ॥ ॥ विषयविषमकुर्यान्गमनसश्चि



[illegible]

2881



विश्वसना ॥ २५

कालिका ॥ काला ॥ जगदाला कलाचन ॥ जा ॥ कमलासनस्तु भविवर्धना  
कलकमला ॥ काला ॥ सहजानन्दकालिका ॥ जा ॥ निजिनिजिनहृदया  
जादसूदना ॥ काला ॥ नरुं मीरु कुमाला ॥ त्याकजा ॥ नाग ॥  
अन्धारेनवी ॥ नानचस्पति ॥ विश्वसना नृह विदुविम ॥ विद्यापि  
गुणसरुवा ॥ ॐ ॥ नमामि श्वागीरुव नसयने मतिहृदया २ विनाश  
पिकुटीगान मनाहन सयनजिनहृदया ॥ ॥ पीतलीला नूनगीन  
वयन श्यचजिनमुकुटमलिलयन ॥ ॥ धर्मचक्रमुद्राकलिष ना  
सिश्च ॥ चापयिया प्रहातुवस्तानी ॥ ॥ सुनास्त्रवक्षमिगवचनम

प्रह्वनकालिगा ॥ ३० प्रह्वनिगह्वकोन

नाशरुक्षयिपनमादिवज्जिनगुहलनयन ॥ ॥ ३३ ॥ नागागच्छ  
रुनवी ॥ गालजपा ॥ प्रह्वनकालिगमनृति अननायन वितयवंति ॥ ॐ  
॥ नाचनवज्जसत्त्वपनमध्वन नीनवति ॥ ॥ नस्मि सहस्र दक्षकिवक्षद  
भसूर्यसहस्रवति ॥ ॐ ॥ वरुविहवृप नविषाणि अननायन सत्त्वव  
नी ॥ ॥ ० ॥ नागा ॥ कामादा ॥ गानवक्षगीन ॥ प्रह्वलिनह्वकावना  
ह्वमनृति ॥ ०० ॥ नीलकुसमहिगदहा २ विष्वाकुस्तिन ॥ प्रह्वन न  
लमकटकोधधिया ॥ ॐ ॥ नमामि श्री प्रचधुवीन ॥ वक्षधूनसिधून  
कनन शविष्वाताथ प्रह्वन व्यापिग वदानि ॥ ध्वसनकवक्ष ॥ ॥ ॐ







सर्वोक्तानां ॥ ३४

सम्बन्धनाया ॥ ॥ कृतिगधधृगजचर्मविधृवा कर्त्ति उमवृष्ट ॥ ॥  
हिता २ मर्जुपूवीग कयालखर्वा एग पासपनसूत्रमधिबधना ॥ ॥  
यवजिनवन मकूट आलीकृग य उ मूडा आरुवन विरुषिगा २ आलिका  
लिइयि आलिधवायपि व्याधु चर्मनिर्वासन कृष्टुन ॥ ॥ नवसिल  
माला लम्बशी सम्बना दिव्यचक्र विनिक न्हिया २ जन्म जन्म मानुशु  
पाय भवन नाग भडा निपन मादिव जगीगा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ नागा धनाशी  
गान ऊटि ॥ सर्वाकाका महासूखनीया च उ आनन्द दहा २ गिरुवन रु  
लयी महासूखनाया च नुसूर्य इयि भविया ॥ ॥ ॥ नपापनिष्ठानप

अनेमि ॥ ३५

नविना गिरुवन नुकस्वनपि २ सर्वविकल्प विध्वंशनी दवी अनुरुनहा  
नवनदायनी ॥ ॥ अमिगारु मधुल वीदिया नथिनि कल्पान नमिव  
नप्रधानी २ कर्वाटिक पाना खर्वा गधनी प्रह्लाहानवनवदायनी ॥ ॥  
दिगम्बन मुकूट कशी चकी कृष्टुल कलिधनी २ नचक भखला पायनध  
नी गीर्व नुद्रन नधिल माला ॥ ॥ सर्वगथागम जननी दवी विनहि  
रुगाव अरुवा २ श्रीवज्र योगिनी चन लणि न्यगम धनीया गावकि समव  
संबजा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ नागवर्सक ॥ गाल माथा ॥ अरुसिक् समइनिदह  
प्रहास्वना २ विविधिनत्नमलिम कूट विरुषिगा ॥ ॥ ॥ नाचनशी अच



रुक्मिणीसुखे ॥ ३३

लवीना २ गना च उ आत च विना सयि अचला ॥ ॥ व्याम उरु व विन्दु  
मडा दर्शना २ प्रहा आलिङ्गन अहय महा सह ॥ ॥ विना ग चन्दु  
गिरु वरुय कना २ ग स्य निह ग ख अरु निपा ॥ ॥ माल चतु न  
दय निविल विघ्न हना २ न विष भि रु ग ल ग ग ल विना सयि अचला  
॥ ॥ ॐ ॥ नागा ॥ कामा ॥ ख द्दी ग न ॥ हं विरु सीरु व ख स म द हा  
न व न स दार्पि भ न न रु न ध ना २ द द ध र ज व द व द ना द द ध व रु न  
न क न गी ॥ ॐ ॥ न म मि श्री चि च क्ख र्ब माल रु य रु व रु य ह न र्ब  
॥ ॥ चतु न विंशति पी २० ॥ र्ब क्खि सी वे न वि न र्ब ना २ च उ च क्ख

उत्तम सुखे ॥ ३७

पवित्रता दवी संपूर्ण प्रकलित स्थिता ॥ ॥ प्रहा संपूर्ण आलिका लि  
प्रदा का ना अति सदेना २ द द ध र द वी उ क रु वा न म मि श्री च क्ख र्ब ना  
॥ ॥ भ न गु न च व र ल सिल्य ध र्ब र न यि गि ना श्री नि क्ख लि ॥ २ दान प  
गिल म न्ना रु र्ब स य म धु ल आ ना धि ना ॥ ॥ ॐ ॥ नागा ॥ न लि गु  
जली ॥ नाल ॥ उरि ॥ उ व ग र न ल श्री नि न ग न र्ब ना २ ॐ ॥ नु नी ल इ नि पि ग  
ल र्ब ना ॥ ॐ ॥ ज ग द न र्ब ना रु या गु ल द वी २ इ म्मा न वि घ्ना ध नी द  
वी ॥ ॥ न क न य न नि नि नु ड माला २ ख अ क न र्ब ना क याल वि घ्ना ध नी  
द वी ॥ ॥ व्या घ्र च र्म व रु प्र त्या नि धा २ ख र्ब ल म्बा द न र्ब ना का ना ॥ ॥



रुद्राष्टक ॥ ३८

चननसननशीउर्गताबुलिमागा २ रुनयिअभाघवजगीनचविना ॥ ॥  
॥ ३७ ॥ वागपंचम ॥ नोन ॥ ग्रिहना ॥ ऊर्यवाकुलिहंनडाघनयि २ सयल  
सनासनजगनउधनि ॥ ॥ ॥ नरुगवनिपाडकेमलमहिमधुलनो  
पुनननमूनकावा २ हाउरुमनआरुवधविहविहभखवधधुउलाल  
२ गिनितिनितिनयनितिनितिनयना ॥ ॥ कनकिखत्यनगीर्वनड  
ननसिलमाला २ ककिखदीगवनमकुरक ॥ ॥ सिनससिधू  
वनागकडलसूना २ ककुविकपूननामूनसखसावा ॥ ॥ रु  
नयिसननवजवाकुलिदाया २ श्रीवजदवीप्रसाद श्रीहनुडापाया

वक्रिकुंदना ॥ ३९

॥ ॥ ३७ ॥ वागा ॥ गवजगि ॥ गालनक ॥ चक्रिकुलकलिनाचक  
मखनरुविना गिर्यनडनलसिनमाला २ गीलचक्रिचक्रिलेया  
रुसविहविहगगलकनाडिवधुनिलाया ॥ ॥ ॥ प्ररुणश्रीह  
नडा मभाबुका नाया रुगनाथ श्रीसम्बननाया ॥ ॥ वजकरी  
ठकहाथधनीया कीथिकियाउखदीरग २ सीपटयागिनीकमल  
विहासिरगन महासखमविप्रसाद ॥ ॥ वजवानोहिआलीगलेसम्बन  
नाचयिवरुविविहनरुग २ वाकुकलिलेयाकीउकिहंनडा अद्वैतव  
रुननसूसागा ॥ ॥ सहजसर्विलेयागवक्रिकधुपा श्रीहनुडाचन



अथ उच्यते ॥४०॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४९

[illegible]

महाभिन्ना । ४२

ललाया॥ ध्रु ॥ हंडीकानहमवज्जगत्निर्वासियाव॥ ॥ अमियश्चि  
नऊनदसं २ सहउ सन्दबी नाया जिनहु नयपिस॥ ॥ उचउआगिनी  
यलमलमला २ वेऊवा नाहि आलिगीक्षकोला॥ ॥ उथरुरुवाडा कनु  
नकवादि २ ऊयं ऊयं आलिगीक्ष नीलवधू वालि॥ ॥ ३३ ॥ नागाहे  
नवी॥ गाल एक॥ गऊ जिन उद्ध नहा थधनीया कमलकुलिष अद्दयवा  
नि २ उमनु केन कि कुं भवगि सना वामखदीग कंपाल अधना॥ ध्रु ॥ थ  
विसम्बन नाया वाहु लिशुक रु गा लिला॥ मानयिल चापयिया लविमाया  
सासरुवरुमुद्रा सि निक्ष॥ ॥ ३४ ॥ इवाममहा थधनीया



[illegible]

सितकुलजचंद्रसमव्यापिता॥ ॥खड्गगंगावनसाधिनचक्रवर्तिन  
ममधुलरुवगविना २ निर्मलहृदयालचक्रध्यायिन गृहिनिसिद्धदरुम  
यसाधना॥ ॥अनदपवनमानंदविनमासहजचक्रनानंदकसहवा २  
पवनमाविनमाग्य नकुलदिल महासुखगुगतसयिदप्रापिता॥ ॥ह  
वज्रकालचक्र श्रीचक्रसम्बन्धनरुकोटिसिद्धापानीगंगा २ श्रीहृगं  
दियानपूरुषगिनिजानीधनी प्रहृमहासुखजानहं॥ ॥ ३३३ ॥आ  
गा॥ललितगा॥गालजप॥ विषयविषयविन यवनसंज्ञाए कलयिचक्र  
निनाहिकमल २ दहयिजिनविम्वर ॥ ॥सुवनवज्रविशिष्टा



